Privatisation of Hotel Corporation of India

293. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) what is the number of parties which have sent their bids for Hotel Corporation of India;

(b) what are the terms offered by Government;

(c) the names of parties who have responded and their experience in hotel business; and

(d) by when the Government are likely to take a final decision in this regard?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION * AND TOURISM (SHRI MADHAV RAO SCINDIA): (a) No bids have been invited for the Hotel Corporation of India.

(b) to (d) Do not arise.

Private NRI's participation in Vayudoot

294. SHRI KAMAL MORARKA:

SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) whether Government have finalised its strategy with respect to Vayudoot;

(b) if so, the salient features thereof;

(c) what will be the fate of the agreement signed by Vayudoot with a NRI for leasing out its facilities to his proposed airline; and

(d) by when a Chairman/Managing Director is likely to be appointed in Vayudoot?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAV RAO SCINDIA)- (a) No,
Sir.

(b) Does not arise.

(c) The agreement provides for rendering of certain services by Vayudoot on payment to a NRI party for the latter's proposed air services which are yet to begin.

(d) The Chairman/Managing Director of Vayudoot is to be appointed shortly.

बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों की शोचनीय दशा

295. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उन्होंने हाल ही में बिहार के राजमार्गों का निरीक्षण किया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उन्होंने वहां राजमार्गों की दशा को अत्यन्त शोचनीय पाया ; और

(ग) अगर उपरोक्त भाग (क) और (ख) का उत्तर "हां" हो, तो बिहार के राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार करने के लिए कितनी धनराशि स्वीकृत की गई है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर) (क) जी हां । जल-भूतल परिवहन मंत्री ने हाल ही में बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों के कुछ खंडों पर यात्रा की थी ।

(ख) कुछ भागों में जिनका जल-भूतल परिवहन मंत्री द्वारा निरीक्षण किया गया था, स्थिति कुल मिलाकर उतनी संतोषजनक नहीं है जिनके अनेक कारण हैं जिनमें राज्य के इंजीनियरों द्वारा लम्बे समय तक की गई हड़ताल, संस्वीकृत कार्यों के क्रियान्वयन में धीमी प्रगति आदि शामिल हैं ।